पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

पी0जी0आई0 लखनऊ का दीक्षान्त समारोह सम्पन्न

लखनऊ: 23 सितम्बर, 2014

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ के 19वें दीक्षान्त समारोह के अवसर पर छात्र-छात्रओं को एम0डी0, डी0एम0,एम0सीएच0, पीडीसीसी, पीएचडी, बी0एस0सी0नर्सिंग, डी0एच0ए0 एवं टेली मेडिसन में डिप्लोमा आदि के लिये डिग्री, प्रमाण-पत्र व एवार्ड देकर सम्मानित किया। उन्होंने इस अवसर पर डाक्टरों को उत्कृष्ट शोध के लिये प्रो0 एस0एस0 अग्रवाल एवार्ड, डा0 हरजीत सिंह मान को, उत्कृष्ट शोध इन्वेस्टीग्रेटर हेतु प्रो0 एस0आर0नाईक एवार्ड प्रो0 यू0के0 मिश्रा को तथा प्रो0 आर0के0 शर्मा एवार्ड डा0 ज्योति रंजन परीदा तथा डा0 सरधरा ज्येष्य को दिया। दीक्षान्त समारोह में प्रदेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, डा0 अहमद हसन, प्रमुख सचिव, चिकित्सा शिक्षा, श्री बी0एस0 भुल्लर, संस्थान के निदेशक, डा0 आर0के0 शर्मा सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि चिकित्सकों के लिये अपने मरीजों के इलाज के साथ-साथ उनकी इच्छा शक्ति को प्रबल बनाये रखना एक चुनौती के समान है। उन्होंने कहा कि डाक्टर का पेशा स्नेह एवं प्यार के आधार पर दूसरों को जीवन देने का है। उन्होंने कहा कि चिकित्सक अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद जो शपथ लेते हैं उसको अपने कार्यरत रहने तक याद रखें।

श्री नाईक ने उपाधिधारकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि वे शीघ्र ही डिग्री लेकर वे एक नये क्षेत्र में जायेंगे जहां गुणों के आधार पर स्पर्धा होती है। उन्होंने कहा कि अपनी नैतिकता पर ध्यान देते हुए हमारे युवा चिकित्सक देश का गौरव बढ़ाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचलों के लोगों को आज भी चिकित्सीय सेवा नहीं मिल पाती है। हमारे युवा चिकित्सक कमजोर वर्ग के लोगों का भी ध्यान रखें क्योंकि रोगी सेवा ईश्वर सेवा के समान है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में शिविर लगाकर भी चिकित्सीय सेवा प्रदान की जा सकती है।

राज्यपाल ने इस बात पर चिन्ता व्यक्त की कि हमारे देश के कोई भी शिक्षण संस्थान विश्व के 200 विश्वविद्यालयों में स्थान नहीं पाते हैं। देश का गौरव बढ़ाने की ताकत युवाओं में होती है। उन्होंने कहा कि उन्हें 20 वर्ष पहले कैन्सर हुआ था, पर उन्होंने विदेश न जाकर अपने देश में ही इलाज कराने का निर्णय किया और आज वह पूर्ण रूप से स्वस्थ हैं। उन्होंने कहा कि हमारे युवा इस क्षेत्र में संकल्प के साथ अपनी सेवा प्रदान कर सकते हैं।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, डा0 अहमद हसन ने उपाधिधारकों को बधाई देते हुए कहा कि एस0जी0पी0जी0आई0, लखनऊ की पहचान अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर है। यहां के डाक्टरों के प्रति लोगों में बहुत आस्था है। इस आस्था को पूरी ईमानदारी से बनाये रखने की जरूरत है। उन्होंने इस अवसर पर यह भी आश्वासन दिया कि प्रदेश सरकार चिकित्सीय सेवा के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है।

कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक, डा0 आर0के0 शर्मा ने संस्थान की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। राज्यपाल ने इस अवसर पर एक कॉफ़ी टेबिल बुक का विमोचन किया तथा अशोक का एक पौधा भी रोपित किया।

अंजुम/रा0/राजभवन